प्रेमके नामपर राष्ट्रके विरुद्ध अघोषित युद्ध !

लव जिहाद ?

संकलनकर्ता
श्री. रमेश हनुमंत शिंदे

हिन्दू जनजागृति समिति

हिन्दुओ, निश्चित करो इस्लामी राज्य चाहिए या 'हिन्दू राष्ट्र' !

'हिन्दू मतदाताओंको मैं पुनः एक बार स्पष्टरूपसे सूचित करता हूं कि इन झूठे राष्ट्रवादियोंको यदि आपने सत्तासे नहीं हटाया, तो यह अंधा गांधीवाद भारतके मुसलमानोंको सेनामें, आरक्षक (पुलिस) दलमें तथा राजकाजमें महत्त्वपूर्ण स्थान देगा । तब, चारों दिशाओंसे बाहरके मुसलमान भारतपर आक्रमण करेंगे और आज महत्त्वपूर्ण स्थानोंपर नियुक्त भारतस्थित मुसलमान अचानक भीतरसे विद्रोह कर इस असावधान गांधीवादी शासनकर्ताओंको पदच्युत कर इस भारतको अखण्ड पाकिस्तान बनाएंगे । यह संकट ध्यानमें रखकर अब आपको दो दलोंमें नहीं; अपितु दो विचारधाराओंमेंसे एकको चुनना है । भारतीय राज्य अथवा हिन्दू राज्य, यह प्रश्न नहीं है; अपितु 'इस्लामी राज्य' अथवा 'हिन्दू राज्य (हिन्दू राष्ट्र)' ? अखण्ड हिन्दुस्थान अथवा अखण्ड पाकिस्तान ? यह प्रश्न है । इस परिस्थितिमें केवल हिन्दू-संगठन करनेवाली विचारधारा ही इस देशकी रक्षा कर सकेगी !' – **वीर सावरकर**

ग्रन्थके संकलनकर्ताका परिचय

श्री. रमेश हनुमंत शिंदे (राष्ट्रीय प्रवक्ता, हिन्दू जनजागृति समिति)

आपने स्थापत्य अभियान्त्रिकी क्षेत्रमें शिक्षा प्राप्त कर कार्य किया है । आप 'सनातन धर्मभूषण', 'हिन्दू कुलभूषण पुरस्कार' आदि पुरस्कारोंसे सम्मानित हैं । २५ जून २०२३ को आपको संस्कृतिरक्षाके कार्य हेतु उत्तर प्रदेशके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथजीके द्वारा 'सांस्कृतिक योद्धा पुरस्कार'से सम्मानित किया गया । आप पूर्णकालिक धर्मप्रसारकके रूपमें पूरे देशमें भ्रमण करते हैं । आप धर्म एवं राष्ट्र सम्बन्धी विविध विषयोंके अध्ययनशील व्याख्याता एवं समाचार-पत्रोंके स्तम्भ लेखकके रूपमें जाने जाते हैं । अनेक राष्ट्रीय दूरदर्शन वाहिनियोंके चर्चासत्रों में हिन्दू धर्मका पक्ष आप प्रभावीरूपसे प्रस्तुत करते हैं । आप 'बुद्धिवादियोंका अहंकार', 'लोकतन्त्रमें फैली दुष्प्रवृत्तियां', 'धर्म-परिवर्तन', 'हिन्दू राष्ट्र', 'मनुस्मृति', 'हलाल जिहाद' आदि विषयोंपर आधारित सनातनके ग्रन्थोंके संकलनकर्ता हैं ।

Disclaimer : यह ग्रन्थ 'लव जिहादके नामपर हो रहे गैर-इस्लामिक युवतियोंके धर्मान्तरण, शोषणका तथ्य सामने लाना तथा उसका भारतीय सुरक्षा-व्यवस्था और परिवार-व्यवस्थापर होनेवाले परिणामोंका अध्ययन करना', इस उद्देश्यसे प्रस्तुत किया गया है । किसी भी धर्मका अपमान करना, धार्मिक भावनाओंको आहत करना अथवा समाजमें असन्तोष निर्माण करना इसका उद्देश्य नहीं है ।

इस ग्रन्थमें कोई भी विषय 'संविधानके अनुच्छेद ५१ अ' के अनुसार पाठकके 'वैज्ञानिक दृष्टिकोण'में बाधा लाने हेतु नहीं लिखा गया है । इस ग्रन्थका उद्देश्य समाजमें अन्धश्रद्धा फैलाना अथवा चिकित्सकीय उपचार / वैज्ञानिक दृष्टिकोणका विरोध करना नहीं है । पाठक कृपया ध्यानपूर्वक एवं जांच-परखकर इस ग्रन्थका अध्ययन करें । – **संकलनकर्ता**

ग्रन्थकी अनुक्रमणिका

卐 ग्रन्थकी भूमिका ४

१. उत्पत्ति और अर्थ २. समानार्थी शब्द ६

३. उद्गम ८

४. उद्देश्य १४

५. 'लव जिहाद'का लक्ष्य (टारगेट) १७

६. 'लव जिहाद'के पीछेकी प्रेरणा और चाल १९

७. हिन्दू युवतियोंको प्रेमजालमें फंसानेकी योजनाबद्ध कार्यपद्धति २२

* 'वशीकरण' करना तथा उसका प्रभाव नष्ट करनेके उपाय २९

८. 'लव जिहाद'की बलि चढी हिन्दू स्त्रियोंकी दुर्दशा ३७

* वेश्याव्यवसायके लिए प्रयोग * इस्लामी राष्ट्रोंमें विक्रय ३८

* जिहादी कृत्योंके लिए उपयोग * निराशावश आत्महत्या ३९

९. 'लव जिहाद'की बलि चढी कुछ युवतियोंकी आपबीती ४०

१०. विस्तार : राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय ४४

११. 'लव जिहाद'का प्रसार तेजीसे होनेके कुछ कारण ६३

१२. हिन्दू युवतियो, झूठे प्रेमकी बलि चढकर आत्मघात न करो ! ७१

१३. हिन्दू युवतियों व स्त्रियों के लिए ध्यानमें रखनेयोग्य सावधानी ७४

१४. हिन्दू अभिभावकोंके लिए ध्यानमें रखनेयोग्य सावधानियां ७४

* बचपनसे ही बेटीको धर्मशिक्षा देकर सुसंस्कारित करें ! ७५

* 'लव जिहाद'में फंस सकती हैं, ऐसी युवतियोंकी रक्षा ७६

१५. हिन्दू समाजको आवाहन ७९

१६. 'लव जिहाद'को रोकनेके उपाय ८०

भारतमें 'लव जिहाद'की घटनाएं हो रही हैं, ऐसे आरोप अनेक वर्षोंसे लग रहे हैं; परन्तु राष्ट्रीय स्तरपर इसकी चर्चा आरम्भ हुई, 'द केरल स्टोरी' चलचित्रके कारण ! यह चलचित्र केरलकी सच्ची घटनाओंपर आधारित था । तब भी 'सेक्युलर'वादियोंका आक्षेप था कि चलचित्रमें बताए अनुसार वास्तवमें केरलमें 'लव जिहाद'की ३२ सहस्र घटनाएं नहीं हुईं हैं ! चलिए कुछ क्षणोंके लिए मान लेते हैं कि ३२ सहस्र घटनाएं नहीं हुईं; परन्तु 'यदि वास्तवमें ऐसी एक भी घटना हुई है, तब भी तो वह अनुचित है ।' ज्ञातव्य है कि 'लव जिहाद'के माध्यमसे इस्लाम पंथमें धर्मांतरित होकर 'आइसिस'के आतंकवादी दलमें सम्मिलित होने गई केरलकी ४ युवतियां अब तक अफगानिस्तानमें ही फंसी हुई हैं । इस विषयपर 'लव जिहाद'को झुठलानेपर तुले विरोधक कुछ भी कहनेको तैयार नहीं हैं । मुसलमान वोटबैंक बनाए रखनेके लिए 'सेक्युलर'वादियोंने 'द केरल स्टोरी' चलचित्रका विरोध किया । यहां हमें यह ध्यानमें रखना चाहिए कि जो 'सेक्युलर'वादी 'लव जिहाद'की सच्चाई दिखानेवाला चलचित्र स्वीकार करनेको तैयार नहीं हैं, वे वास्तवमें 'लव जिहाद'की भयावहता कैसे स्वीकार कर पाएंगे ? क्या वे हिन्दू लडकियोंकी रक्षा हेतु कोई प्रयास करेंगे ?

भारतकी हिन्दू लडकियोंको कोई जिहादी प्रेमके जालमें फंसा लेता है और उनसे उनके माता-पिता, संस्कृति, धर्म, अस्तित्व सबकुछ लेता है । उन्हें अपने परिवार-देश-धर्म के विरोधमें 'जिहाद' करनेके लिए तैयार किया जाता है, यह कोई सामान्य बात नहीं है ! दिल्लीकी साक्षी दीक्षितकी क्रूर हत्या हो अथवा मुंबईकी श्रद्धा वालकरके टुकडे-टुकडे करना हो, यही दिखाई देता है कि इन जिहादियोंको किसी बातका कोई भय नहीं रह गया है । श्रद्धा वालकरकी हत्याके उपरान्त देशमें 'लव जिहाद'की घटनाओंपर गम्भीरतासे चर्चा होने लगी ।

श्रद्धा वालकरकी हत्या एकमात्र प्रकरण नहीं है । इससे पूर्व और इसके

पश्चात भी निधि गुप्ता, अंकिता सिंह, निकिता तोमर, काजल, मानसी दीक्षित, तनिष्का शर्मा, खुशी परिहार, वर्षा चौहान, हिना तलरेजा आदि सैकडों हिन्दू युवतियोंके साथ भी इसी प्रकारकी क्रूरता हुई है । अनेक लडकियोंके शव बंद सूटकेसमें मिले हैं । अनेक लडकियोंका जीवन नष्ट हो गया है; परन्तु तब भी प्रतिदिन सैकडों लडकियां इस प्रेमजालमें फंसकर अपना जीवन नष्ट कर रही हैं । भारतके अनेक राज्योंमें धर्म-परिवर्तनके विरोधमें कानून बनाए गए हैं; परन्तु ये कानून इन 'लव जिहाद'की घटनाओंको रोकनेमें सक्षम सिद्ध नहीं हो पाए हैं ।

एक ओर सेक्युलरवादियोंका दावा है कि 'लव जिहाद मात्र कल्पना है', 'यह अस्तित्वमें ही नहीं है'; परंतु प्रत्यक्षमें हिन्दू युवतियोंका प्रेमजाल में फंसना, धर्मान्तरण कर मुसलमान बनना, हत्या, बलात्कार, ऐसी घटनाएं प्रतिदिन सामने आ रही हैं । तो यह विरोधाभास क्यों है ? इस संदर्भमें वास्तविकताका तथा कुछ तथ्योंका अवलोकन करना आवश्यक है ।

'लव जिहाद' हिन्दू धर्म एवं राष्ट्र के विरुद्ध एक अघोषित युद्ध ही है। इस षड्यन्त्रमें हिन्दुस्थानके शत्रुराष्ट्र 'पाकिस्तान' का भारी मात्रामें योगदान है । यह सर्वज्ञात है कि भारतकी गोपनीय जानकारी हस्तगत करने हेतु हिन्दुस्थानके दूतावासमें उच्च पदपर आसीन गुप्तचर महिला अधिकारी माधुरी गुप्ताको पाकिस्तानके सेनाधिकारीने प्रेमपाशमें फंसाया था । अर्थात, 'लव जिहाद' के रूपमें यह प्रच्छन्न युद्ध, प्रत्यक्ष आतंकवादी आक्रमणसे भी भयानक है । इस राष्ट्रव्यापी समस्याका सर्व प्रकारसे विश्लेषण करनेका प्रयास इस पुस्तकमें किया है ।

अपने लिए तथा अपने परिचितोंमेंसे न्यूनतम १० हिन्दू युवतियोंके परिवारोंको भेंट स्वरूप देने हेतु यह पुस्तक खरीदें एवं जनजागरण करें।

पढें : सनातनका ग्रन्थ **'अध्यात्मका प्रस्तावनात्मक विवेचन'**